

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 12, भाग 3, 1 राजा 14-15, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

आज हमारे अध्ययन का तीसरा भाग आसा है। इस समय, जब अबियाह बहुत ही कम समय के शासन के बाद मर जाता है, शायद एक साल का हिस्सा, एक पूरा साल, दूसरे साल का हिस्सा, इसलिए बाइबल तीन साल कहती है, लेकिन शायद वास्तव में केवल दो साल का हिस्सा, सवाल यह है कि क्या यहूदा उसी रास्ते पर चलने वाला है? वह रास्ता जो उत्तर ने अपनाया है। कई मायनों में, यहाँ सब कुछ अधर में लटका हुआ है।

और आसा सिंहासन पर आ जाता है - और आसा 41 साल तक शासन करता है। हम अगले सप्ताह देखेंगे कि कैसे, उन 41 वर्षों के दौरान, उत्तर में उथल-पुथल के बाद उथल-पुथल, केवल अराजकता ही रही।

लेकिन दक्षिण में, दक्षिण में, एक लंगर। और कई मायनों में, मुझे लगता है कि आसा ही वह कारण है जिसकी वजह से यहूदा इतने लंबे समय तक जीवित रहा। वह, जिसे एक अच्छे इंसान के रूप में वर्णित किया गया है, जैसा कि हम एक पल में देखेंगे, उसने वह स्थिरता दी, प्रभु के लिए स्थिरता जिसने मुझे लगता है कि नींव रखी, लंगर डाला, और उनके लिए यह संभव बनाया कि वे इतने लंबे समय तक जीवित रहें।

मैं आसा बनना चाहता हूँ। इस्राएल के राजा यारोबाम के 20वें वर्ष में, आसा यहूदा का राजा बना, और उसने यरूशलेम में 41 वर्षों तक शासन किया। अब, यह थोड़ा सा सवाल है।

उनकी दादी का नाम माका था, जो अबीशालोम की बेटी थी। खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि अबियाह के बारे में भी यही बात कही गई है। खैर, दरअसल, पाठ में उनकी माँ का नाम लिखा है क्योंकि हिब्रू में दादी के लिए कोई शब्द नहीं है।

यह उनकी महिला पूर्वज है। तो, यहाँ एक दिलचस्प सवाल है। क्या यह संभव है कि माँ और बेटी का नाम एक ही हो और पिता और दादा एक ही हों? पक्का तो नहीं पता, लेकिन इस बारे में सोचना दिलचस्प है।

आसा ने वही किया जो यहोवा की नज़र में सही था, जैसा उसके पिता दाऊद ने किया था। ठीक है। अच्छे आदमी, उसने वही किया जो सही था।

लेकिन उसने रहूबियाम के शासनकाल में शुरू हुई कुछ चीज़ों पर भी रोक लगा दी। उसने देश से पुरुष तीर्थ वेश्याओं को बाहर निकाल दिया। उसने अपने पूर्वजों द्वारा बनाई गई सभी मूर्तियों को नष्ट कर दिया।

उसने अपनी दादी माका को भी राजमाता के पद से हटा दिया क्योंकि उसने अशेरा की पूजा के लिए एक घृणित मूर्ति बनाई थी। वाह। अब, यहूदा में राजमाताएँ बहुत शक्तिशाली थीं।

यह बिलकुल स्पष्ट है। तो, यह एक बहुत ही जोखिम भरा काम था जो उसने किया। आसा ने इसे काट डाला और किट्रोन घाटी में जला दिया।

वाह. हाँ. उसने सही किया.

वह एक अच्छे इंसान थे। और उन्होंने पूरे देश और देश के लोगों पर अपना प्रभाव डाला। तो यहाँ वह ड्यूटेरोनॉमिक दर्शन है जिसे हमने देखा है।

वह पूरे दिल से भगवान की पूजा करता था। उसने मूर्तियाँ नहीं बनाईं। उसने मूर्तियों को नष्ट कर दिया।

उन्होंने बुतपरस्ती को बढ़ावा नहीं दिया। वास्तव में, उन्होंने इसे रोकने की कोशिश की। और हमें यहाँ यह नहीं बताया गया है कि उन्होंने गरीबों के साथ कैसा व्यवहार किया, लेकिन यह सही काम करने में समझा जा सकता है।

अब, मैं चाहता हूँ कि आप श्लोक 14 को देखें। मुझे लगता है कि यह काफी महत्वपूर्ण श्लोक है। हालाँकि उसने ऊँचे स्थानों को नहीं हटाया, फिर भी आसा का हृदय पूरी तरह से परमेश्वर का था, वह अपने पूरे जीवन में प्रभु के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित था।

हाँ। उसके पिता के बारे में जो कहा गया था, उसके बिलकुल विपरीत। उसके पिता का दिल बँटा हुआ था।

आसा का दिल भगवान के लिए पूरा है। कोई अगर, कोई और, कोई परन्तु नहीं। भगवान के लिए समर्पित।

और स्पष्ट रूप से ये कार्य उस हृदय से निकलते हैं जो पूर्ण है। लेकिन एक मिनट रुकिए। उसने ऊँचे स्थानों से छुटकारा नहीं पाया, लेकिन उसका हृदय परिपूर्ण था।

हम इसे कैसे समझें? मुझे लगता है कि हमें इसे अज्ञानता के रूप में समझना चाहिए। ये स्पष्ट रूप से वे स्थान नहीं थे जहाँ मूर्तिपूजक देवताओं की पूजा की जाती थी। वे ऐसे स्थान थे जहाँ देश भर में यहोवा की पूजा की जाती थी।

अब, व्यवस्थाविवरण ने कहा था, तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। तुम्हें एक ही स्थान पर मेरी पूजा करनी चाहिए। जैसा कि हमने पहले भी कहा है, कई स्थानों पर उसकी पूजा करने से उसे स्थानीय देवताओं में विभाजित करने का खतरा था।

लेकिन मुझे लगता है कि हम जो कह रहे हैं वह यह है कि भले ही आसा के प्रदर्शन में कुछ कमी थी, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं थी। और सच कहूँ तो, यह मेरे लिए एक उत्साहवर्धक शब्द है। शायद मैं हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाता।

अब, फिर से, मुझे लगता है कि हम यहाँ जानबूझकर बात नहीं कर रहे हैं। हम अनजाने में बात कर रहे हैं। शायद मैं हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाता।

हो सकता है कि मैं इस या उस क्षेत्र में कमजोर पड़ जाऊँ। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं ईश्वर के सामने समर्पित नहीं हो सकता। अब, ईश्वर के सामने समर्पित होने का मतलब है कि हमारे प्रदर्शन में सुधार होना चाहिए।

बाइबल में पवित्रता में वृद्धि को यही कहा गया है। अगर मैं वास्तव में उसका हूँ, तो मैं उसके प्रति संवेदनशील रहूँगा। और मेरा प्रदर्शन बेहतर होना चाहिए।

मैं इसे घटिया जीवन जीने का बहाना नहीं बनाना चाहता। खैर, मैं भगवान से पूरे दिल से प्यार करता हूँ, इसलिए आप मुझसे ज़्यादा उम्मीद नहीं कर सकते। नहीं, नहीं, नहीं।

लेकिन दूसरी तरफ, मैं यह कहना चाहता हूँ कि हम उस कटु अंतरात्मा से मुक्त हो सकते हैं जो कहती है, ठीक है, तुमने वह पर्याप्त नहीं किया। ठीक है, तुम्हें यहाँ बेहतर होना चाहिए। तुम्हें यहाँ रहना चाहिए, ओह, हमें वहाँ रहने की ज़रूरत नहीं है।

हम कह सकते हैं कि मैं परमेश्वर का हूँ, और परमेश्वर मेरे साथ जो चाहे कर सकता है। और मैं आज से ज़्यादा कल उसका होना चाहता हूँ। आसा का हृदय प्रभु के प्रति पूर्ण था।

ओह माय, एक राजा जिसने 41 साल तक शासन किया और उसका दिल एकदम सही था, यह अच्छी खबर है। इन कहानियों में कुछ और राजा भी होंगे जिन्होंने बिना किसी सही दिल के लंबे समय तक शासन किया, और यह बुरी खबर थी। लेकिन एक लंबा शासनकाल और एक सही दिल, ओह, यह अच्छी खबर है।

यह अच्छी खबर है। हालाँकि, युद्ध चल रहा है। अब यह दिलचस्प है। मैंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रहूबियाम और अबिय्याह की मृत्यु की सूचनाओं में, यह कहा गया है कि यारोबाम के साथ युद्ध हुआ था।

स्पष्ट रूप से, उत्तर और दक्षिण एक दूसरे के साथ संघर्ष कर रहे हैं। और यह अब भी जारी है जब यारोबाम का उत्तराधिकारी, बसहा सिंहासन पर है। फिर से, यारोबाम का बेटा बहुत ही कम समय तक शासन करता रहा।

नादाब, हम इसे अगले सप्ताह देखेंगे। नादाब बहुत कम समय तक शासन करता है, उसके बाद बाशा उसकी हत्या कर देता है, यारोबाम राजवंश को समाप्त कर देता है, और अपना खुद का राजवंश, बाशा राजवंश शुरू करता है। खैर, युद्ध जारी है।

ऐसा लगता है कि बाशा यारोबाम से बेहतर योद्धा था क्योंकि वह वास्तव में यहूदा को धमका रहा है। वह अपनी सीमा को दक्षिण की ओर धकेल रहा है, सीमा को बंद कर रहा है, और आसा चिंतित है।

तो, हमें यहाँ बताया गया है कि आसा ने बहुत सारा पैसा इकट्ठा किया और उसे सीरिया के राजा को भेजा। आप नक्शे में देख रहे हैं; सीरिया यहाँ ऊपर है और यरूशलेम यहाँ नीचे है। वह अपना पैसा सीरिया को भेजता है और कहता है, क्या आप कृपया इस्राएल पर हमला करके उन्हें मेरी पीठ से हटा देंगे? और अशूर का राजा इस बात से सहमत हो जाता है।

जब बाशा पीछे हट जाता है, तो आसा पूरे राष्ट्र को संगठित करता है। वे यहूदा की नई उत्तरी सीमा पर किले बनाते हैं, और सब कुछ ठीक हो जाता है। हालाँकि, यहाँ आसा के विश्वास का एक उदाहरण है: 2 इतिहास 14:11. हे प्रभु, शक्तिशाली और कमज़ोर के बीच मदद करने के लिए आपके जैसा कोई नहीं है।

हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमारी सहायता करो, क्योंकि हम तुम पर भरोसा करते हैं। और तुम्हारे नाम पर, हम इस भीड़ के खिलाफ आए हैं, हे प्रभु, तुम हमारे परमेश्वर हो। मनुष्य को तुम पर हावी न होने दो।

यह उसकी प्रार्थना थी जब इथियोपियाई लोग दक्षिण से आ रहे थे, और उसने अपने लोगों को युद्ध में ले जाकर परमेश्वर पर भरोसा किया, और एक महान, महान उद्धार हुआ। लेकिन अब वह यह धन इकट्ठा करता है और इसे भेजता है, और उसका सामना हनानी, द्रष्टा से होता है। वह यहूदा के राजा आसा के पास आया, और उससे कहा, क्योंकि तुमने अशूर के इस राजा पर भरोसा किया है और अपने परमेश्वर यहोवा पर भरोसा नहीं किया है, इसलिए अशूर के राजा की सेना तुम्हारे हाथ से बच गई है।

आपको बाशा के बारे में उतनी चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी जितनी सीरिया के बारे में। वे ज़्यादा खतरनाक हैं। और आप इस बात से सचेत नहीं थे।

तुमने उसके साथ सौदा किया। हम इथियोपियाई और लीबियाई नहीं हैं, बहुत सारे रथों और घुड़सवारों वाली एक विशाल सेना। फिर भी, क्योंकि तुमने यहोवा पर भरोसा किया, उसने उन्हें तुम्हारे हाथ में दे दिया ताकि यहोवा की नज़र पूरी धरती पर दौड़ती रहे और उन लोगों को मज़बूती दे जो उसके प्रति पूरी तरह से दिल रखते हैं।

तुमने यह मूर्खता की है। अब से तुम युद्ध करोगे। आसा द्रष्टा पर क्रोधित हुआ और उसे जेल में काठ में ठोक दिया, क्योंकि वह इस बात से बहुत क्रोधित था।

जब आप 30 या 40 साल तक राजगद्दी पर रहते हैं, तो आप यह मानने लगते हैं कि आप सर्वोच्च हैं। लोग आपको बुरा नहीं कह सकते। आसा ने उसी समय अपने कुछ लोगों पर अत्याचार किए थे।

यह हमें क्या बताता है? मुझे लगता है कि यह दो बातें कहता है। पहला, अगर परमेश्वर ऐसा चाहता है तो सांसारिक मदद पर भरोसा करना गलत नहीं है। यहाँ आसा की गलती, उसका पाप यह कहना था कि, अरे यार, बाशान हमारे खिलाफ आ रहा है।

हम यहाँ क्या करने जा रहे हैं? ओह, ओह, मुझे पता है, मुझे पता है। हम सीरिया को बहुत सारा पैसा भेजेंगे, और वे हमारी मदद करेंगे। हाँ, हाँ, चलो जल्दी से करते हैं।

इसके बजाय, हे प्रभु, आप यहाँ क्या करना चाहते हैं? आप हमारी समस्या का समाधान कैसे करना चाहते हैं? यह एक गंभीर समस्या है। यह एक भयानक समस्या है। आप क्या करना चाहते हैं? अब, मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन मुझे लगता है कि यह शब्द बार-बार मेरे पास आ रहा है।

मुझसे आगे भागना बंद करो। अपनी समस्याओं को अपने तरीके से सुलझाना बंद करो। उन्हें मेरे तरीके से सुलझाओ।

परमेश्वर का तरीका शायद आस-पास के पड़ोसी देश के साथ समझौता करना रहा हो, और हम ऐसा करेंगे। आप बाइबल में इसके उदाहरण देखते हैं, जैसे कि परमेश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सांसारिक साधनों का उपयोग करता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमने पहले से ही यह पता लगा लिया है कि वह ऐसा ही करना चाहता है? इसलिए, बार-बार, बाइबल में, हमें अपने समानार्थी शब्दों पर प्रतीक्षा करनी चाहिए और उन पर भरोसा करना चाहिए।

हे प्रभु, आप क्या करना चाहते हैं? आप मुझे नहीं बता रहे हैं। मुझे डर है कि दबाव बढ़ रहा है। हे प्रभु, आओ, आओ।

अपने समय में, अपने तरीके से। मेरे समय में नहीं, मेरे तरीके से नहीं, मेरी ताकत से नहीं, बल्कि उसके तरीके से। तो, यहाँ हम जो पाते हैं वह बहुत दुखद पैटर्न का पहला उदाहरण है।

एक अच्छा राजा, जिसके शासनकाल की रिपोर्ट एक बुरे नोट पर समाप्त होती है। वास्तव में, यह हर अच्छे राजा के बारे में सच है। अब, जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, इस्राएल में कोई भी अच्छा राजा नहीं है।

कोई नहीं, एक भी नहीं। यहूदा में पाँच हैं, या अगर आप उज्जियाह को गिनें तो छह। छह अच्छे आदमी।

यह पहला उदाहरण है, आसा। और फिर भी उन सभी अच्छे लोगों की रिपोर्ट एक अंधकारमय नोट पर समाप्त होती है। नैतिक विफलता, नेतृत्व, मार्गदर्शन के मामले में एक मानवीय विफलता।

अब, यहाँ क्या हो रहा है? खैर, नंबर एक है यथार्थवाद। रिपोर्टर बस इतना कह रहा है कि यह इस तरह हुआ। अब यह महत्वपूर्ण है।

बाइबल के बारे में उल्लेखनीय बातों में से एक यह है कि इसके सभी नायकों के पैर मिट्टी के हैं। प्राचीन साहित्य, ओह, नायक, ओह माय। उसे किसी भी तरह की असफलता नहीं मिली।

या अगर वह ऐसा करता है, तो उसका जश्र मनाया जाता है। वाह। यह बाइबल नहीं, बल्कि एक फिल्म पत्रिका की तरह है।

वह एक हीरो है। वह एक महान आदमी है। वह एक अच्छा आदमी है।

लेकिन वह असफल हो गया। दुख की बात है, दुखद है, निराशाजनक है। ऐसा क्यों? ओह, मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब पता है।

हमारी आशा किसी भी इंसान पर नहीं है। चाहे वे कितने भी अच्छे हों, चाहे वे कितने भी बढ़िया हों, अगर हम किसी इंसान पर अपनी आशा रखते हैं, तो वह हमें निराश करेगा। हमारी आशा यहोवा और उसके बेटे, यीशु मसीह पर है।

आपके और मेरे लिए आशा है। अच्छे लोगों के लिए भगवान का शुक्रिया। उनके उदाहरण और हमारे जीवन में उनके प्रभाव के लिए भगवान का शुक्रिया।

लेकिन दोस्तों, उन पर अपना सितारा मत लटकाओ। यही बात इस पर भी लागू होती है - मिट्टी के पैर।

दुनिया की आशा मनुष्य की पूर्णता में नहीं है। दुनिया की आशा ईश्वर की कृपा में है जो कभी असफल नहीं होती। यही हमें यहाँ बताया जा रहा है।

अच्छे लोगों के लिए भगवान का शुक्रिया। आसा के लिए भगवान का शुक्रिया जिसने यहूदा को एक भविष्य दिया। लेकिन अंत में, हमारी आशा आसा पर नहीं है।

आइए प्रार्थना करें। प्रभु, आपका धन्यवाद कि हमारी आशा आप पर टिकी है

। अनंत शताब्दियों में खुद को वफ़ादार और सच्चा साबित करने के लिए आपका धन्यवाद।

कभी असफल न होने के लिए धन्यवाद। हे प्रभु, हमें क्षमा करें जब हम आपसे मांग करते हैं कि आप वही करें जो हम चाहते हैं और अभी करें। हमें क्षमा करें जब हम भरोसे के साथ आपका इंतज़ार करने को तैयार नहीं होते।

धन्यवाद। उन घंटों के लिए धन्यवाद जब आपने हमें प्रतीक्षा करने की क्षमता और इच्छा दी। और आपने अपने समय में अपनी विश्वसनीयता का प्रदर्शन किया।

धन्यवाद। धन्यवाद। जब हम क्रिसमस के बारे में सोचते हैं, तो लोग कितने सालों तक इंतज़ार करते हैं? और अंत में, जब आपने अपनी विश्वसनीयता का प्रदर्शन किया, तो यह बहुत ही आश्चर्यजनक तरीके से था।

लेकिन आपने ऐसा किया, और आपने ऐसा किया है। धन्यवाद। इसलिए, हे प्रभु, हमें इन सबकों से सीखने में मदद करें।

हमें ऐसे दिल रखने में मदद करें जो पूरे हों, पूरी तरह से आपके हों, और इसलिए, दुनिया को अच्छे के लिए छूने में सक्षम हों। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।